तकनीकी संस्थानों की परीक्षाओं में निदेशक ही होंगे केंद्र अधीक्षक

अन्य के नाम भेजने पर विवि प्रशासन ने जताई आपत्ति, संशोधित शपथपत्र मांगे

संवाद न्यूज एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड तकनीक विश्वविद्यालय से संबद्ध कई इंजीनियरिंग कॉलेजों के निदेशक परीक्षाओं संबंधी जिम्मेदारियों से बच रहे हैं। इसे लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन ने नाराजगी जताई है। साथ ही संस्थानों को पत्र जारी कर निर्देशित किया है कि निदेशक या प्राचार्य ही केंद्र अधीक्षक का दायित्व का निर्वहन करेंगे। इस बाबत उनसे संशोधित शपथ पत्र मांगे गए हैं।

गौरतलब है कि विभिन्न तकनीकी संस्थानों में 20 मई के बाद से सेमेस्टर परीक्षाएं शुरू हो रही हैं। इसके मद्देनजर विवि और संस्थान स्तर पर तैयारियां शुरू हो गई हैं। वहीं, तकनीकी संस्थानों में परीक्षा की समस्त जिम्मेदारी केंद्र अधीक्षक की होती है। इसके लिए नियमानुसार संस्थान के निदेशक अथवा प्राचार्य को केंद्र अधीक्षक के रूप में एक शपथ पत्र विश्वविद्यालय को भेजना होता है, लेकिन विश्वविद्यालय को जो शपथ पत्र मिल रहे हैं, उनमें कई ऐसे हैं, जिनमें केंद्र अधीक्षक के रूप में निदेशक के बजाय संस्थान के अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के नाम अंकित किए गए हैं।

इस पर विवि प्रशासन ने आपत्ति जताई है। विवि के परीक्षा नियंत्रक डा. वीके पटेल की ओर से विभिन्न संस्थानों को जारी पत्र में कहा गया है कि कई संस्थानों ने केंद्र अधीक्षक के लिए निदेशक के बजाय अन्य व्यक्ति के नाम का शपथपत्र भेजा है।

जबकि, परीक्षाओं की सुचिता बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है कि निदेशक या प्राचार्य ही केंद्र अधीक्षक हों। पत्र में संस्थानों को संशोधित शपथ पत्र भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

परीक्षा में गोपनीयता के लिए ओटीपी व्यवस्था का ही करें इस्तेमाल

- परीक्षा नियंत्रक डॉ. वीके पटेल ने बताया है कि परीक्षा से संबंधित गोपनीय सामग्री को डिजिटल माध्यम से प्रेषित किए जाने के लिए विश्वविद्यालय ने मोबाइल व ओटीपी व्यवस्था लागू की है। ताकि गोपनीय जानकारी लीक न हो सके। ऐसे संस्थाओं को निर्देश दिए गए हैं कि गोपनीय सूचनाओं का आदान प्रदान निर्धारित की गई व्यवस्था के अंतर्गत किया जाए। ऐसा नहीं करने और परीक्षा की सुचिता भंग होने पर इसकी जिम्मेदारी संस्थान निदेशकों की होगी।

पीएचडी में प्रवेश के लिए कल से होंगे आवेदन

संवाद न्यूज एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय की ओर से जुलाई 2024 सत्र के लिए पीएचडी में प्रवेश के लिए कल से ऑनलाइन आवेदन शुरू हो जाएंगे। ऑनलाइन आवेदन 13 मई से शुरू होकर 14 जून तक होंगे।

पीएचडी में प्रवेश पाने वाले निर्धारित स्कॉलर्स को रिसर्च कम टीचिंग फेलोशिप स्कीम के तहत 20 हजार रुपये प्रतिमाह का मानदेय भी मिलेगा। छात्र पीएचडीए प्रवेश के लिए www.uktech.ac.in पर आवेदन कर सकेंगे। परीक्षा नियंत्रक डॉ. वीके पटेल ने बताया कि पीएचडी के लिए सीटों की संख्या फिलहाल अनुमानित है। प्रवेश के समय इसमें परिवर्तन किया जा सकता है।

इन तिथियों के अनुसार होंगे पीएचडी में प्रवेश

- आवेदन प्रारंभ - 13 मई
- अंतिम तिथि - 14 जून
- प्रोविजनल एडमिट कार्ड जारी होंगे - 21 जून
- प्रवेश परीक्षा देहरादून में - 9 जुलाई
- आंसर की का प्रकाशन - 12 जुलाई
- क्वालीफाई छात्र सूची प्रकाशन - 16 जुलाई
- साक्षात्कार की तिथि - 20 जुलाई
- वेबसाइट पर अंतिम रिजल्ट जारी होगा - 23 जुलाई
- प्रमाण पत्र वेरिफिकेशन और प्रवेश - 05 और 06 अगस्त

इन ब्रांचों में हैं पीएचडी की सीटें

- इलेक्ट्रिक इंजीनियरिंग में कुल 04 सीटें - (02 सामान्य, 01 एससी, 01 ओबीसी)
- कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग एवं कंप्यूटर साइंस में कुल 06 सीटें - (04 सामान्य, 01 एससी, 01 ओबीसी)
- इलेक्ट्रॉनिक एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में कुल 07 सीटें - (05 सामान्य, 01 एससी, 01 ओबीसी)
- मैकेनिकल इंजीनियरिंग में कुल 05 सीटें - (03 सामान्य, 01 एससी, 01 ओबीसी)
- सिविल इंजीनियरिंग में कुल 03 सीटें - (02 सामान्य, 01 एससी)
- बायोटेक्नोलॉजी में कुल 01 सीट - (01 सामान्य)
- फार्मेसी में कुल 01 सीट - (01 सामान्य)

संबद्धता विस्तारित नहीं होने पर परीक्षा पर रोक

देहरादून। उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय ने देहरादून स्थित एक इंजीनियरिंग एवं मैनेजमेंट संस्थान की संबद्धता आगामी वर्षों के लिए विस्तारित नहीं होने पर परीक्षाओं पर रोक लगा दी है। साथ ही संस्थान में अध्ययनरत छात्रों को अन्य संस्थानों से अटैच कर दिया है।

विश्वविद्यालय की ओर से जारी आदेश के अनुसार विगत छह मई 2024 को परीक्षा समिति की 37वीं बैठक में निर्णय लिया गया है कि बीहाइव कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी और बीहाइव कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी देहरादून के सत्र 2022-23 से अस्थाई संबद्धता विस्तारित नहीं होने से दोनों संस्थाएं विवि से संबद्ध नहीं है। ऐसे में विवि नियमावली के प्रावधानों के अनुसार सम सेमेस्टर 2023-24 की विवि की सैद्धांतिक एवं प्रयोगात्मक परीक्षा कराया जाना संभव नहीं होगा। वहीं, इस संबंध में विवि कुलपति डॉ. ओंकार सिंह ने बताया कि संबंधित संस्थान में दो साल से प्रवेश नहीं हो रहे थे।

साथ ही संबद्धता विस्तारित करने के लिए भी कदम नहीं उठाया जा रहा था। इसके चलते अब संस्थान के छात्रों को अन्य जगहों पर अटैच कर दिया गया है। बताया कि एमबीए के स्नात छात्रों को यूनिवर्सिटी में ट्रांसफर कर दिया गा है। जबकि बीटेक के 17 छात्रों का ट्रांसफर जौबीआईटी दून में कर दिया गया है। संवाद